Programme Project Report

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट

Depatment of Library & Information Science

School of Continuing Education

Vardhman Mahaveer Open University, Kota

June 2020

विश्वविद्यालय : एक परिचय (University: An Introduction)

प्रस्तावना (Introduction)

सन् 1986 में देश की केन्द्रीय सरकार ने नई शिक्षा नीति को स्वीकार करते समय यह माना कि स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी भारत में उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध अवसर अपर्याप्त और असमान है। इस नीति में इस बात पर भी बल दिया गया था कि पारम्परिक शिक्षा प्रणाली की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए एक नवीन शिक्षा प्रणाली को अपनाया जाये, जो उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को शिक्षा के समुचित अवसर प्रदान करें और व्यावसायिक उन्नयन के मार्ग ढूँढने या अपनी शैक्षणिक योग्यताओं में अभिवृद्धि करने के आकांक्षी शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा का सीधा लाभ पहुँचा सके। इन्हीं आधारभूत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा प्रणाली तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को अपनाकर देश भर में नये मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई। राजस्थान सरकार ने भी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए विधानसभा से पारित अधिनियम के अंतर्गत सन् 1987 में कोटा खुला विश्वविद्यालय की स्थापना की। विश्वविद्यालय का मुख्यालय कोटा शहर बनाया गया किन्तु इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान को घोषित किया गया। बाद में **21 सितम्बर, 2002 से इसका नाम बदलकर वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा कर दिया गया।** इस प्रकार कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह विश्वविद्यालय आज राजस्थान का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है।

मान्यता (Objectives)

1. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा राज्य सरकार के अधिनियम, 1987 (न. 35-1987) के अंतर्गत स्थापित है, इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान प्रदेश है।
2. यह विश्वविद्यालय यू.जी.सी. से प्राप्त पत्र संख्या एफ –5-11/87(सी.पी.पी) दिनांक 28/30 मार्च,1989 के अनुसार यू. जी.सी. के सैक्शन 12-बी के अंतर्गत देश का एक मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय है।
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त पत्र संख्या क्रमांक UGC/DEC/VMOU/06/4483-87, दिनांक 30 जनवरी, 2014 के अनुसार इस विश्वविद्यालय को सतत शिक्षा संबद्धता प्रदान की गई है।
4. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) से प्राप्त पत्र संख्या क्रमांक F-3/RJ-22/ B.Ed. (D.E)/2000/9145 दिनांक 21.08.2000 के अनुसार यह विश्वविद्यालय B.Ed. (Bachelor of Education) कार्यक्रम हेतु मान्यता प्राप्त है |
5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के परिपत्र F-I-52/2000(CPP-II) दिनांक 2 नवंबर, 2004 के अनुसार यू. जी. सी. अधिनियम, 1956 सेक्शन 22(I) के अनुसार यह विश्वविद्यालय सभी प्रकार के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री देने के लिए अधिकृत है | यूजीसी के अनुसार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा मुक्त/ दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रदान किये गए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री परम्परागत विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री के समकक्ष माने जायेंगे|
6. भारतीय विश्वविद्यालय संघ के परिपत्र EV/II(80)/90/176300 दिनांक 26 फरवरी, 1991 के अनुसार इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त की जाने वाली समस्त उपाधियाँ मान्यता प्राप्त है| यदि कोई विश्वविद्यालय मान्यता नहीं देता है तो ऐसे मामले विश्वविद्यालय एव संघ के नोटिस में लायें जाने चाहिए|

उद्देश्य (Objectives)

- उच्च शिक्षा के प्रजातांत्रीकरण के उद्देश्य से शिक्षा प्राप्ति के इच्छुक सभी समूहों, रोजगार प्राप्त व्यक्तियों, महिलाओं, विशेष योग्य जन एवं वयस्कों को शिक्षा प्राप्ति का अवसर प्रदान करना।
- कम लागत पर गुणात्मक एवं रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना।

- प्रदेश के उच्च शिक्षा से वंचित दूरस्थ क्षेत्रों, आदिवासी एवं मरूस्थलीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रसार करना।

प्रमुख विशेषताएँ (Salient Features)

- प्रवेश सम्बन्धी लचीले नियम।
- शिक्षार्थी को उसकी अपनी अध्ययन क्षमताओं और सुविधाओं के अनुरूप अध्ययन के अवसर उपलब्ध करवाना।
- अगली कक्षा में प्रवेश हेतु परीक्षा में उत्तीर्ण होने की बाध्यता नहीं।
- शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में मन पसंद विषय चुनने की अधिक स्वतंत्रता।
- आधुनिक संचार और शैक्षणिक तकनीकी का उपयोग।
- दूरस्थ शिक्षार्थियों की मदद के लिये विद्यार्थी सहायता सेवाओं का संचालन।
- रेडियो काउन्सलिंग।
- ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, ऑनलाइन परीक्षा प्रवेश पत्र (Admit Card)।
- डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, IMPS एवं ई- मित्र से शुल्क जमा करने की सुविधा |
- वेबसाइट पर प्रश्न बैंक, असाइनमेंट।
- वेबसाइट मे स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) एक सुविधा है जिससे विद्यार्थी अपने से सम्बद्ध समस्त जानकारी स्कोलर नंबर एवं जन्म तिथि एंटर कर प्राप्त कर सके।
- स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) से ही परिचय पत्र प्राप्त करने की सुविधा |
- विद्यार्थी जिज्ञासा समाधान शिविर।
- वेबसाइट पर डिजीटल अध्ययन सामग्री की उपलब्धता।
- वेबसाइट पर मल्टीमीडिया आधारित व्याख्यान की उपलब्धता।

सतत शिक्षा विद्यापीठ में Library & Information Science के शैक्षणिक कार्यक्रम (Academic Programmes)

S.No.	Programmes	Duration
1.	MLIS	one year
2.	BLIS	one year
3.	DLIS	one year

संकाय सदस्य –

Name of Faculty	Post	Educational Qualifications	Subject	Area of Specialization
Dr. Subodh Kumar	Associate Professor	Ph.D., MA Journalism PGDBM, MA English	Journalism	Print Media, Science Journalism

1. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि

(Master of Library and Information Science)

Programme Code : MLIS

उद्देश्य (Objectives):

- देश में विद्यमान पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों के प्रभावी संगठन एवं प्रबन्धन के लिए आवश्यक कौशल एवं प्रशिक्षण उपलब्ध करवाना।
- सेवारत कर्मियों के व्यावसायिक विकास तथा बेहतर कार्यकारी संभावनाओं को सुलभ करवाना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय की नवीनतम प्रवृत्तियों तथा तकनीकी प्रशिक्षण से ज्ञान एवं कर्म कौशल का प्रसार करवाना।

प्रवेश योग्यता (Admission eligibility) : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक उपाधि (BLIS)

अवधि (Duration) : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium) : हिन्दी

श्रेयांक (Credit) : 48

शुल्क (Fee) : Rs. 8800/

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातकोत्तर (MLIS) कार्यक्रम में कुल 8 पाठ्यक्रम हैं। तालिका-1 में दिये गये क्रम सं. 1 से 7 तक (MLIS-01 to MLIS-07) के पाठ्यक्रम विद्यार्थी को लेना अनिवार्य है। तालिका-2 में पाठ्यक्रम -08 में दो ऐच्छिक पाठ्यक्रम हैं इनमें से किसी एक पाठ्यक्रम का चयन करना है। इस प्रकार कुल आठ पाठ्यक्रम लेना है। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

तालिका-1:

क्र.सं. (S. No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	पुस्तकालय, सूचना एवं समाज Library, Information and Society	MLIS-01	6
2.	ज्ञान का संगठन एवं शोध पद्धति Organisation of Knowledge and Research Methodology	MLIS-02	6
3.	सूचना संग्रहण एवं पुनः प्राप्ति Information Storage and Retrieval	MLIS-03	6
4.	सूचना स्रोत, संसाधन एवं प्रणालियाँ Information Sources, Resources and Systems	MLIS-04	6
5.	सूचना उत्पाद एवं सेवाएँ: संरचना, विकास एवं विपणन	MLIS-05	6

	Information Products and Services: Design, Development and Marketing		
6.	पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों का प्रबन्धन Library and Information Centres Management	MLIS-06	6
7.	पुस्तकालय में सूचना संचार प्रोद्यौगिकी का अनुप्रयोग Application of Information Communication Technology in Libraries	MLIS-07	6

तालिका-2: पाठ्यक्रम VIII (ऐच्छिक समूह) निम्नांकित पाठ्यक्रम समूह में से किसी एक पाठ्यक्रम का चयन करें।			
8.	पुस्तकालय सामग्री का परिरक्षण एवं संरक्षण Preservation and Conservation of Library Material	MLIS -08	6
9.	शैक्षणिक पुस्तकालय प्रणाली Academic Library System	MLIS -09	6

नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा| सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/ अध्ययन केन्द्र पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

Cost Estimate of the Programme (in case of Revision) : Not Applicable

2. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम

Bachelor of Library and Information Science Programme
Programme Code : BLIS

उद्देश्य (Objectives):

- पुस्तकालय एवं सूचना इकाइयों के प्रभावशाली संगठन एवं व्यवस्थापन की दक्षता एवं कौशल प्रदान करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना इकाइयों में कार्य कर रहे कर्मियों का व्यावसायिक विकास एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा धारकों को गहन ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में नवीन सूचना तकनीकी के अनुप्रयोग का ज्ञान प्रदान करना।
- नये स्नातकों को पुस्तकालय एवं सूचना व्यवसाय के प्रति आकर्षित करना ।

प्रवेश योग्यता (Admission eligibility) : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) अथवा समकक्ष; अथवा किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि अथवा स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) के साथ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा; अथवा स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) के साथ पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र में दो वर्ष का कार्यानुभव; अथवा प्रोफेशनल विषयों में स्नातक उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम एक वर्ष, अधिकतम 4 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium) : हिन्दी

श्रेयांक (Credit) : 48

शुल्क : Rs. 7900/-

कार्यक्रम संरचना : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातक (**BLIS**) कार्यक्रम में कुल **8** पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम **6** श्रेयांक का है।

क्रंसं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	पुस्तकालय एवं समाज Library and Society	BLIS-01	6
2.	पुस्तकालय वर्गीकरण एवं सूचीकरण सिद्धान्त Library Classification and Cataloguing-Theory	BLIS-02	6
3.	पुस्तकालय वर्गीकरण - प्रायोगिक Library Classification-Practical	BLIS-03	6
4.	पुस्तकालय सूचीकरण - प्रायोगिक Library Cataloguing-Practical	BLIS-04	6

5.	पुस्तकालय प्रबन्ध Library Management	BLIS-05	6
6.	सूचना स्रोत Information Sources	BLIS-06	6
7.	सन्दर्भ एवं सूचना सेवाएँ Reference and Information Services	BLIS-07	6
8.	कम्प्यूटर : आधार एवं अनुप्रयोग Computer : Basics and Applications	BLIS-08	6

नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा|

परामर्श सत्र एवं सम्पर्क शिविर (Counselling Session/Contact Camp) :

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के ज्ञान वर्धन एवं समस्या समाधान हेतु संपर्क शिविर, परामर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे।

(क) बीएलआईएस 1,2,5,6 एवं 7 पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे।

(ख) बीएलआईएस 3 एवं 4 पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क शिविर आयोजित किये जाऐंगे। विद्यार्थियों की दो-तिहाई सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य होगी।

(ग) BLIS-8 में सैद्धांतिक/प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा| प्रायोगिक सत्रों में विद्यार्थियों की दो-तिहाई उपस्थिति अनिवार्य होगी।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य 30 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय /आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/ अध्ययन केन्द्र पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 70 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी- प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक, द्वितीय श्रेणी - 48%एवं 60% से कम, उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम!

Cost Estimate of the Programme (in case of Revision) : Not Applicable

3. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा

(Diploma in Library and Information Science)

Programme Code : DLIS

उद्देश्य (Objectives):

- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना।
- पुस्तकालय संचालन संबंधी प्रक्रियाओं तथा नित्यचर्या का प्रशिक्षण प्रदान करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का ज्ञान प्रदान करना।
- विद्यालय पुस्तकालयों के लिये पुस्तकालयाध्यक्ष तथा विभिन्न प्रकार के पुस्तकालयों में कार्य करने की क्षमता वाले अभ्यर्थी तैयार करना!

प्रवेश योग्यता (Admission eligibility) : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 अथवा समकक्ष अथवा 1989 हायर सैकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण| किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उतीर्ण अथवा उसके समकक्ष; अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय से 8वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी जिसे किसी सार्वजनिक पुस्तकालय अथवा शैक्षणिक पुस्तकालय अथवा विशिष्ट पुस्तकालय में कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव है।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium) : हिन्दी

श्रेयांक (Credit) : 36

शुल्क (Fee) : Rs. 3500/-

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) : इस कार्यक्रम में निम्नांकित छः पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) हैं|

क्र. सं. (S.No.)	**पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course)	**पाठ्यक्रम कोड** (Course Code)	**श्रेयांक** (Credit)
1.	पुस्तकालय वर्गीकरण एवं सूचीकरण -सिद्धांत	DLIS -01	6
2.	पुस्तकालय वर्गीकरण – प्रायोगिक	DLIS -02	6
3.	पुस्तकालय सूचीकरण - प्रायोगिक	DLIS -03	6
4.	पुस्तकालय नित्यचर्या एवं संदर्भकार्य	DLIS -04	6
5.	विद्यालय एवं सार्वजनिक पुस्तकालय	DLIS -05	6
6.	सूचना सेवाएँ एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग	DLIS -06	6

नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा|

परामर्श सत्र एवं सम्पर्क शिविर - परामर्श एवं सम्पर्क शिविर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र पर आयोजित किये जायेंगे :

(I) DLIS-01,04,05,06 पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे।

(II) DLIS-02 एवं 03 पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क शिविर आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों की दो-तिहाई सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य होगी।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक विषय में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी	-	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	-	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	-	36% एवं 48% से कम

Cost Estimate of the Programme (in case of Revision) : Not Applicable